इंटरलॉकिंग नेलिंग

INSTITUTE OF MUSCULOSKELETAL
DISORDERS AND ORTHOPAEDICS

टीबिया या फ़ीमर के फ्रैक्चर में इंटरलॉकिंग नेलिंग से क्लोज़ रिडक्शन सर्जरी क्या है?

टीबिया या फ़ीमर के फ्रैक्चर के उपचार हेतु इंटरलॉकिंग नेलिंग से क्लोज़ रिडक्शन एक मान्यता प्राप्त विकल्प है। इंटरलॉकिंग नेलिंग धातु के बने इंप्लांट होते हैं जो लंबी हड्डियों के फ्रैक्चर के उपचार में उपयोग होते हैं। कई बार टीबिया या फ़ीमर के डायफिसिस (लम्बी हड्डी का मध्य भाग) के फ्रैक्चर में हड्डियों को एक लाइन मे लाना मुश्किल होता है और इसके ठीक तरीके से न जुड़ने की संभावना अधिक होती है। अतः डॉक्टर इंटरलॉकिंग नेलिंग से क्लोज रिडक्शन उपचार को प्राथमिकता देते हैं।

इंटरलॉकिंग नेलिंग से क्लोज़ रिडक्शन सर्जरी की आवश्यकता किसे होती है?

डॉक्टर निम्नलिखित परिस्थितियों में इंटरलॉकिंग नेलिंग से क्लोज रिडक्शन सर्जरी की सलाह दे सकते हैं:

- एक्स्ट्रा-कैप्सुलर प्रॉक्सीमल फीमर फ्रैक्चर, फ़ेमोरल डायफिसियल फ्रैक्चर और डिस्टल फीमर फ्रैक्चर
- ह्यूमरल शाफ़्ट फ्रैक्चर
- टिबियल शाफ्ट फ्रैक्चर
- प्रॉक्सीमल और डिस्टल टिबिया फ्रैक्चर
- मेटाफ़िसियल फ्रैक्चर

इंटरलॉकिंग नेलिंग से क्लोज़ रिडक्शन सर्जरी से पहले क्या होता है और क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

डॉक्टर मरीज़ के मेडिकल इतिहास, चल रही दवाओं, बीमारियों, और रक्त विकार के बारे में कई प्रश्न पूछते हैं और कुछ परीक्षण, जैसे रक्त परीक्षण, एक्स-रे, और अन्य इमेजिंग परीक्षण करवाने की सलाह दे सकते हैं।

सर्जरी से पहले निम्नलिखित सावधानियां बरतें:

- संभावित जोखिम, अपेक्षित परिणाम, और रिकवरी के बारे में डॉक्टर से विस्तृत चर्चा करें।
- धूम्रपान और अन्य व्यसन को सर्जरी से पहले छोड़ें।

इंटरलॉकिंग नेलिंग से क्लोज़ रिडक्शन सर्जरी के दौरान क्या होता है?

- सर्वप्रथम डॉक्टर मरीज़ को जनरल एनेस्थीसिया देते हैं।
- इसके बाद सर्जन सर्जिकल क्षेत्र को चीरा लगा कर खोलते हैं।
- एक गाइड या टेम्पलेट द्वारा एर्गोनोमिक हैंडल की सहायता से सर्जन मेड्यूलरी कैविटी में बोल्ट के छेद करते हैं।
- फ्रैक्चर के हिस्सों को एक साथ ला कर हड्डी के दूसरे छोर को इंप्लांट डालने के लिए तैयार किया जाता है।
- एक बार बोल्ट के छेद ड्रिल हो जाने के बाद, बोल्ट को इंटरलॉकिंग कील से सुरक्षित कर दिया जाता है।
- इंप्लांट की स्थिरता की पुष्टि करने के बाद सर्जिकल क्षेत्र को अस्थायी या स्थायी रूप से बंद कर दिया जाता है।

इंटरलॉकिंग नेलिंग से क्लोज़ रिडक्शन सर्जरी के बाद क्या होता है?

- सर्जरी के बाद, मरीज़ को रिकवरी रूम में कुछ समय रखा जाएगा, जहां पर उनके पल्स, रक्तचाप, तापमान, और श्वसन दर पर नज़र रखी जाती है।
- सर्जरी के बाद, पैर या जांघ में दर्द और सूजन को कम करने के लिए दर्द-निवारक दवा और ठंडी सिंकाई की सलाह दी जाती है।
- डॉक्टर शुरुआती कुछ दिनों के लिए पैर को ऊपर रखने और गतिविधियों को कम रखने के लिए कहते हैं।
- कुछ दिनों बाद फिजिओथेरेपी शुरू की जाती है।
- डॉक्टर लक्षणों और एक्स-रे आदि के माध्यम से मरीज़ के स्वास्थ्य की प्रगति की निगरानी करते हैं।
- कई बार जल्दी रिकवरी के लिए डॉक्टर कुछ एक्सरसाइज के सुझाव दे सकते हैं।

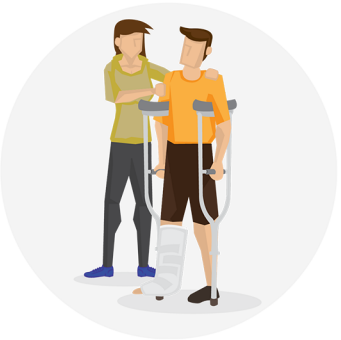

इंटरलॉकिंग नेलिंग से क्लोज़ रिडक्शन सर्जरी के क्या जोखिम है?

हालाँकि यह एक सफल उपचार विकल्प है, फिर भी, अन्य सर्जरी की तरह इसके निम्नलिखित जोखिम हैं:

- संक्रमण
- रक्तस्राव
- हड्डी का पुनः फ्रैक्चर
- हड्डी का देर से जुड़ना
- रक्त के थक्के बनना, जिससे डीप वेन थ्रोमबोसिस या पल्मोनरी एंबोलिज़्म होने का ख़तरा बढ़ता है
- हड्डी का ग़लत एंगल पर जुड़ना

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर को सूचित करें:

- बुख़ार
- दर्द या असहजता
- रक्तस्राव
- चीरे से रिसाव

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ